

किसान एवं मछुआरा मेला

आयोजक

भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई एवं

भा.कृ.अनु.प. - भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

20–21 मार्च, 2026 को भा.कृ.अनु.प. –के.मा.शि.सं, मुंबई

किसान एवं मछुआरा मेला का आयोजन भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं), मुंबई तथा भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, द्वारा संयुक्त रूप से "किसान सारथी 2.0: संवर्धन, संचालन, अनुरक्षण एवं सहयोग" परियोजना के अंतर्गत किया गया। यह परियोजना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भा.कृ.अनु.प.), इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) तथा डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (DIC), नई दिल्ली द्वारा समर्थित एवं फंडेड है।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं, मुंबई में आयोजित किया गया। 20 मार्च 2026 को यह कार्यक्रम भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं. के कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिए तथा 21 मार्च 2026 को मछुआरों, मछुआरिनों, मछली विक्रेताओं, मत्स्य कृषकों एवं अन्य हितधारकों के लिए आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थागत सदस्यों और जमीनी स्तर के समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था, जिससे ज्ञान के आदान प्रदान को प्रोत्साहन मिले तथा अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय स्तर पर उपयोग के बीच मजबूत संबंध स्थापित हो सके।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अर्पिता शर्मा, विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक, मात्स्यिकी अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी प्रभाग, भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया तथा किसान सारथी पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की।

इसके पश्चात डॉ. संजीव कुमार, परियोजना प्रधान अन्वेषक, "किसान सारथी 2.0: संवर्धन, संचालन, अनुरक्षण एवं सहयोग", भा.कृ.अनु.प.–भा.कृ.सां.अ.सं, नई दिल्ली द्वारा एक जानकारी पूर्ण सत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने किसान सारथी प्लेटफॉर्म के उद्देश्यों, विशेषताओं एवं लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. एन. पी. साहू, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई ने सभा को संबोधित करते हुए मछली किसानों एवं मछुआरों को डिजिटल साधनों और वैज्ञानिक ज्ञान के माध्यम से सशक्त बनाने में इस प्रकार की पहलों के महत्व पर बल दिया।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम में कुल 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पहले दिन 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें भा.कृ.अनु.प.–के.मा.शि.सं., मुंबई के कर्मचारी, छात्र, वरिष्ठ अनुसंधान फेलो, यंग प्रोफेशनल, भा.कृ.अनु.प.–के.स.मा.अ.सं, कोचीन से प्रधान वैज्ञानिक डॉ. साजू जॉर्ज, कॉलेज ऑफ फिशरीज, रत्नागिरी के शिक्षाविद, नई दिल्ली से "किसान सारथी 2.0" परियोजना टीम (डॉ. संजीव कुमार), डिजिटल इंडिया

कॉरपोरेशन (DIC) से श्री अंकित जैन तथा श्री सुधीर कुमार, वाई पी शामिल थे। इसके अतिरिक्त, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. के विभिन्न केंद्रों के कर्मचारी एवं भा.कृ.अनु.प. मात्स्यिकी संस्थानों के नोडल अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से सक्रिय रूप से जुड़े रहे, जिससे कार्यक्रम में व्यापक प्रतिनिधित्व एवं ज्ञान साझा करना सुनिश्चित हुआ।

दूसरे दिन 125 मछुआरे, मछुआरिनें एवं मछली किसान जो समुद्री मात्स्यिकी, जलाशय मात्स्यिकी, सजावटी मछली पालन, मछली विक्रय एवं मछली प्रसंस्करण से जुड़े थे ने भाग लिया। ये प्रतिभागी महाराष्ट्र के तटीय जिलों, जैसे मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, रायगढ़, ठाणे एवं पालघर से आए थे। इनके साथ ही 75 अन्य प्रतिभागियों ने भी भाग लिया, जिनमें नई दिल्ली से "किसान सारथी 2.0" परियोजना टीम, डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. एवं उसके केंद्रों के कर्मचारी, भा.कृ.अनु.प. मात्स्यिकी संस्थानों के नोडल अधिकारी तथा डी. वाई. पाटिल कॉलेज, नवी मुंबई और कॉलेज ऑफ फिशरीज, रत्नागिरी के शिक्षाविद शामिल थे।

सभी प्रतिभागियों को किसान सारथी ऐप एवं पोर्टल से संबंधित जानकारीपूर्ण सामग्री अंग्रेज़ी, मराठी एवं हिंदी भाषाओं में वितरित की गई। इन बहुभाषी संसाधनों के माध्यम से शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं तथा मात्स्यिकी समुदाय के सदस्यों को किसान सारथी प्लेटफॉर्म के लाभों को आसानी से समझने एवं उपयोग करने में सहायता मिली।

दूसरे दिन मात्स्यिकी प्रतिनिधियों में से श्रीमती ज्योति राजेश मेहेर, अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य मच्छीमार सहकारी संघ मर्यादित, मुंबई ने डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह मछुआरों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराने, संस्थागत संपर्क मजबूत करने तथा आजीविका सुधारने में सहायक है। इसके पश्चात श्री रामदास पांडुरंग सांधे, अध्यक्ष, मुंबई जिला मच्छीमार मध्यवर्ती सहकारी संघ मर्यादित, मुंबई ने मछुआरों की व्यावहारिक समस्याओं को साझा किया और किसान सारथी 2.0 जैसी पहलों की आवश्यकता पर बल दिया।

दोनों दिनों में तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागियों और परियोजना टीम के बीच संवादात्मक चर्चा हुई। किसान सारथी मोबाइल ऐप, पोर्टल तथा परियोजना के अंतर्गत विभिन्न पहलों की विस्तृत जानकारी दी गई। पोर्टल का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया गया, जिसमें ऐप डाउनलोड करने, पंजीकरण करने एवं सवाल दर्ज करने की चरणबद्ध प्रक्रिया समझाई गई। साथ ही, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. परियोजना टीम द्वारा विकसित मात्स्यिकी डोमेन एवं उप-डोमेन प्रस्तुत किए गए तथा प्रतिभागियों से फीडबैक एवं सुझाव प्राप्त किए गए।

कार्यक्रम का संचालन बहुभाषी माध्यम में किया गया। डॉ. परोमिता बनर्जी सावंत ने अंग्रेज़ी एवं हिंदी में प्रस्तुति दी, जबकि शोधार्थी श्री भालचंद्र नाइक ने मराठी में प्रभावी संचालन किया।

भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं. की आयोजन टीम डॉ. अर्पिता शर्मा, डॉ. परोमिता बनर्जी सावंत, डॉ. सिकेंद्र कुमार, डॉ. सुनील कुमार नायक, डॉ. सलोनी शिवम, श्री सिमंत कुमार, श्री निशांत कुमार तथा छात्र समन्वयकों विजेन्द्र कुमार, स्वीटी कुमारी, रोहित कुमार श्रीवास्तव, श्रेया कुमारी, प्रिया कुमारी ने कार्यक्रम के सफल एवं सुचारु आयोजन को सुनिश्चित किया।

अंत में डॉ. सुनील कुमार नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-के.मा.शि.सं., मुंबई द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने निदेशक, सभी अतिथियों, परियोजना टीम, प्रतिभागियों तथा मछुआरा समुदाय के प्रति आभार व्यक्त किया।

Kisan and Machuara Mela

Organised by

**ICAR-Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), Mumbai and
ICAR-Indian Agricultural Statistics Research Institute (ICAR-IASRI), New Delhi
20-21 March, 2026 at ICAR-CIFE, Mumbai**

Kisan and Machuara Mela was organized by ICAR-Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), Mumbai, and ICAR-Indian Agricultural Statistics Research Institute (ICAR-IASRI) under the project “Kisan Sarathi 2.0: Enhancement, Operation, Maintenance and Support” supported and funded by the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY), and Digital India Corporation (DIC), New Delhi.

This two-day event was held at ICAR-CIFE, Mumbai, on 20 March 2026 for ICAR-CIFE staff and students, and on 21 March 2026 for fishermen, fisherwomen, fish vendors, fish farmers, and other stakeholders. The programme was designed to ensure active participation from both institutional members and grassroots communities, thereby encouraging knowledge exchange and strengthening the link between research, technology, and field-level application.

The event commenced with a welcome address by Dr. Arpita Sharma, Head and Principal Scientist, Fisheries Economics, Extension and Statistics Division, ICAR-CIFE, Mumbai who warmly greeted the participants and provided a brief introduction and highlighting the significance of the Kisan Sarathi initiative.

This was followed by an informative session by Dr. Sanjeev Kumar, project PI “Kisan Sarathi 2.0: Enhancement, Operation, Maintenance and Support” from ICAR-IASRI, New Delhi who elaborated on the objectives, features, and benefits of the Kisan Sarathi platform.

Dr. N.P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, Mumbai addressed the gathering and emphasized the significance of such initiatives in empowering fish farmers and fishers through digital tools and scientific knowledge.

A total of 500 participants joined the two-day event, reflecting enthusiastic involvement. On the first day, 300 participants including staff, students, Senior Research Fellow (SRF), Young Professional (YP) from ICAR-CIFE, Mumbai, Dr. Saju George, Principal Scientist from ICAR-CMFRI, Cochin, academicians from DY Patil University, New Mumbai and College of Fisheries, Ratnagiri, project team of “Kisan Sarathi 2.0: Enhancement, Operation, Maintenance and Support” from New Delhi led by Dr. Sanjeev Kumar, Principal Investigator along with Shri Ankit Jain from Digital India Corporation (DIC) and Shri Sudhir Kumar, YP took part. Staff from ICAR-CIFE centres and nodal officers from ICAR fisheries institutes also continued their active online engagement, ensuring broad representation and knowledge sharing throughout the programme.

On the second day, 125 fishermen, fisherwomen, and fish farmers representing capture fisheries, reservoir fisheries, ornamental fish farming, fish vending, and fish processing from different coastal districts of Maharashtra namely Mumbai City, Mumbai Suburban, Raigad, Thane, and Palghar participated in the event. Alongside them, 75 participants joined, including the New Delhi team of “Kisan Sarathi 2.0: Enhancement, Operation, Maintenance and Support” led by Dr. Sanjeev Kumar, Principal Investigator; Shri Ankit Jain from Digital India Corporation (DIC); Shri Sudhir Kumar, YP, staff from ICAR-CIFE and its centres; nodal officers from ICAR fisheries institutes; academicians from DY Patil College, Navi Mumbai and College of Fisheries, Ratnagiri.

Informative materials about the Kisan Sarathi app, portal, and comprehensive details about the Kisan Sarathi initiative in English, Marathi, and Hindi were distributed to all participants. These multilingual resources ensured that every stakeholder whether academicians, researchers, or members of the fishing community could easily understand and access the benefits of the Kisan Sarathi platform.

The initiative highlighted the importance of bridging technology with grassroots communities, ensuring that fishermen, fisherwomen, and fish farmers could connect with modern digital tools for knowledge sharing, problem-solving, and livelihood enhancement.

By combining informative resources with symbolic branding, the event strengthened both awareness and adoption of Kisan Sarthi across academic, institutional, and fisher and fish farmers' community levels.

On the second day, the fisher representatives, Smt. Jyoti Rajesh Meher, Chairperson of the Maharashtra Rajya Machhimar Sahakari Sangh Maryadit, Mumbai highlighted the importance of digital platforms in empowering fishers by enhancing access to timely information, strengthening institutional linkages, and contributing to improved livelihoods and sustainable development of the fisheries sector. This was followed by an address from Shri. Ramdas Pandurang Sandhe, Chairperson, Mumbai Jila Machhimar Madhyavarti Sahakari Sangh Maryadit, Mumbai, who shared insights on the practical challenges faced by fishers and underscored the importance of initiatives like Kisan Sarthi 2.0 in bridging the gap between fishers and experts through timely advisory and digital support.

On both the days technical sessions were conducted, which included interactive discussions between participants and the “Kisan Sarathi 2.0: Enhancement, Operation, Maintenance and Support” project team from Delhi and Mumbai. Detailed information about the Kisan Sarthi mobile applications and various initiatives under the project were presented. Participants were given detailed insights into how these tools can be effectively utilized for agricultural and fisheries development. Additionally, the domains and sub-domains developed by ICAR-CIFE Mumbai project team specifically for the fisheries sector were explained. Live demonstration of the Kisan Sarathi portal was carried out. The session included step-by-step guidance on downloading the Kisan Sarathi mobile application from the Play Store, completing user registration, and raising queries through the portal. The various features of the Kisan Sarathi app were also demonstrated in detail, enabling participants to gain hands-on experience and a clear understanding of its functionalities and practical applications. Subsequently, the fisheries domains developed by ICAR-CIFE project team (Dr. Arpita Sharma, Head and Principal Scientist, FEES Division, Dr. Paromita Banerjee Sawant, Principal Scientist Aquaculture division, Dr. Sikendra Kumar, Senior Scientist, FNBP division, Dr. Sunil Nayak, Senior Scientist FGBT division and Dr. Saloni, Scientist, Rohtak centre) were projected and feedback and valuable inputs on the Kisan Sarathi portal were collected from the participants to further improve its effectiveness and user experience.

The programme was conducted with multilingual engagement. Dr. Paromita Banerjee Sawant, Principal Scientist from the Aquaculture Division, presented in English and Hindi, while Research Scholar Shri. Bhalachandra Naik effectively compered the programme in Marathi.

Organising team from ICAR-CIFE, Dr. Arpita Sharma, Head and Principal Scientist, FEES Division, Dr. Paromita Banerjee Sawant, Principal Scientist Aquaculture division, Dr. Sikendra Kumar, Senior Scientist, FNBP division Dr. Sunil Nayak, Senior Scientist FGFBT division, Dr. Saloni Shivam, Scientist, Rohtak centre, Shri. Simant Kumar, Technical Officer, Shri. Nishant Kumar, SRF, Student coordinators Vijendra Kumar, Sweety Kumari, Rohit Kumar Srivastava, Shreya Kumari, Priya Kumari ensured smooth conduct of the event.

Formal vote of thanks was delivered by Dr. Sunil Kumar Nayak, Senior Scientist, FGFBT division, ICAR-CIFE, Mumbai, who expressed sincere thanks to Dr. N.P. Sahu, Director ICAR-CIFE, Mumbai, all dignitaries, project team from IASRI and Digital India Corporation (DIC) New Delhi, all staff and students of ICAR-CIFE, Mumbai, fishermen, fisherwomen, fish vendors, fish farmers and all participants for making the programme successful.

20.3.26





21.3.26



